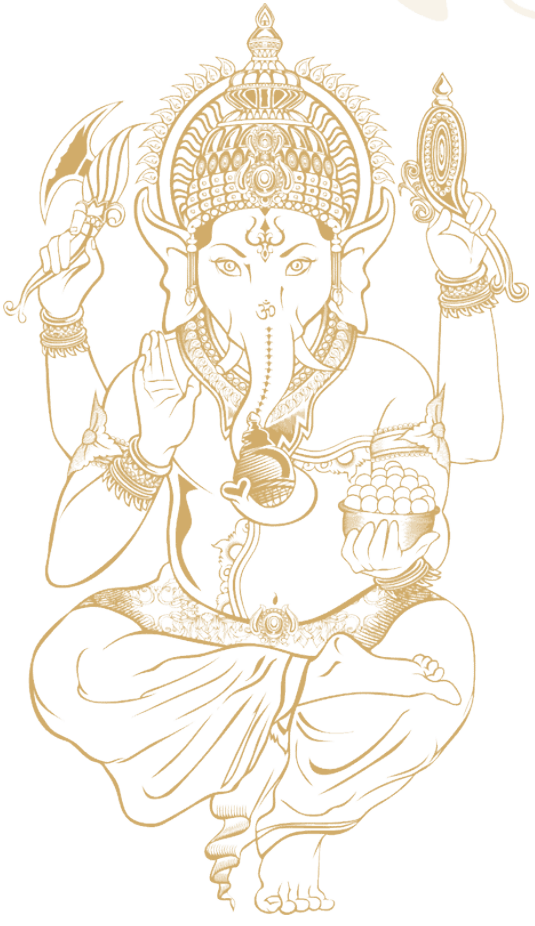

Riya Kundu

31 Jul 2004

02:20 AM

Purulia

Model: web-freekundliweb

Order No: 119451903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**30-31/07/2004**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**02:20:00 घंटे**
इष्ट	52:45:15 घटी
स्थान	**Purulia**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	23:20:00 उत्तर
रेखांश	86:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:15:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:35:36 घंटे
वेलान्तर	-00:06:25 घंटे
साम्पातिक काल	23:10:54 घंटे
सूर्योदय	05:13:54 घंटे
सूर्यास्त	18:27:18 घंटे
दिनमान	13:13:25 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	14:05:00 कर्क
लग्न के अंश	04:42:16 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	प्रीति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	भो-भोली
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	04:42:16	332:40:51	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			कर्क	14:05:00	00:57:22	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	01:39:21	15:02:23	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	29:24:14	00:37:54	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध			सिंह	10:47:19	00:44:52	मघा	4	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
गुरु			सिंह	24:25:56	00:11:13	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र			वृष	29:49:30	00:46:35	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	स्वराशि
शनि			मिथु	25:45:39	00:07:32	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मेष	12:40:50	00:10:23	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	12:40:50	00:10:23	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	11:57:06	00:02:01	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	20:14:43	00:01:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	25:52:09	00:00:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कुंभ	22:44:18	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:07

लग्न-चलित

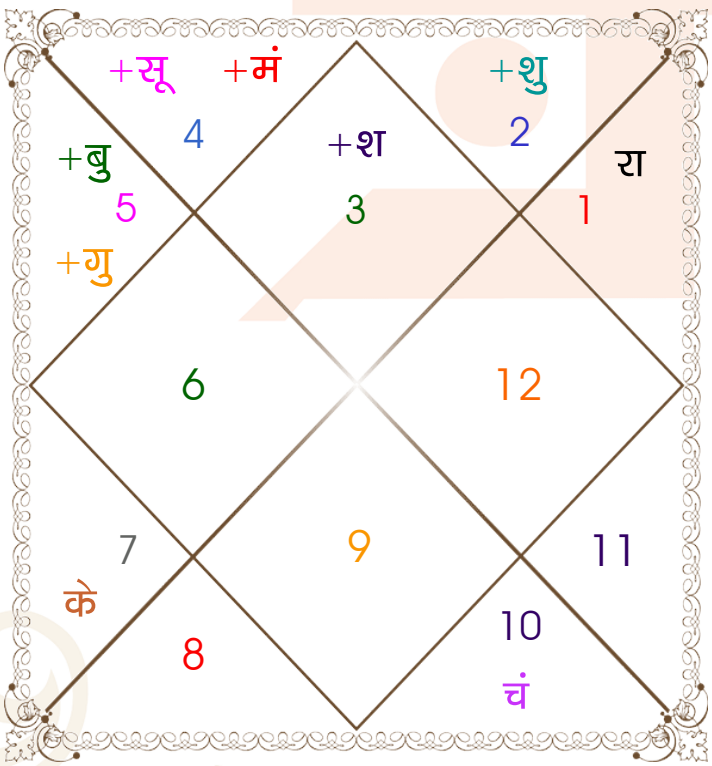

चन्द्र कुंडली

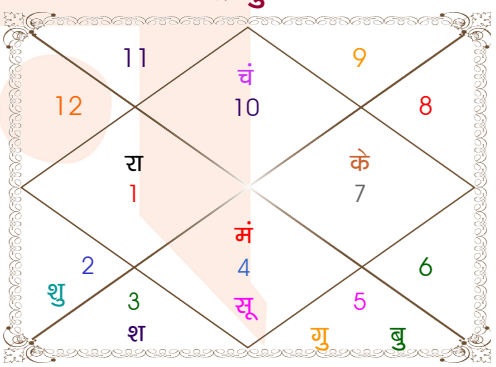

नवमांश कुंडली

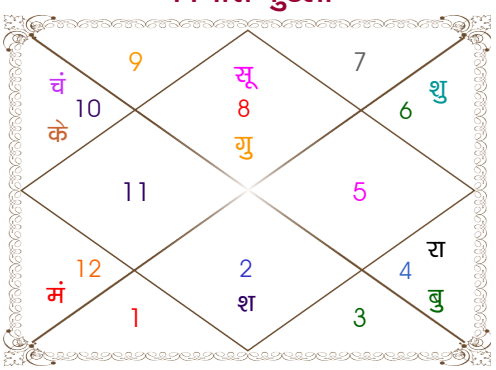

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 3 वर्ष 9 मास 1 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
31/07/2004		02/05/2008		03/05/2018		02/05/2025		03/05/2043	
02/05/2008		03/05/2018		02/05/2025		03/05/2043		03/05/2059	
	00/00/0000	चंद्र	02/03/2009	मंगल	29/09/2018	राहु	14/01/2028	गुरु	20/06/2045
	00/00/0000	मंगल	02/10/2009	राहु	17/10/2019	गुरु	08/06/2030	शनि	01/01/2048
	00/00/0000	राहु	02/04/2011	गुरु	22/09/2020	शनि	14/04/2033	बुध	08/04/2050
	31/07/2004	गुरु	01/08/2012	शनि	01/11/2021	बुध	01/11/2035	केतु	15/03/2051
गुरु	09/03/2005	शनि	03/03/2014	बुध	29/10/2022	केतु	19/11/2036	शुक्र	13/11/2053
शनि	19/02/2006	बुध	02/08/2015	केतु	27/03/2023	शुक्र	20/11/2039	सूर्य	01/09/2054
बुध	26/12/2006	केतु	02/03/2016	शुक्र	26/05/2024	सूर्य	13/10/2040	चंद्र	01/01/2056
केतु	03/05/2007	शुक्र	01/11/2017	सूर्य	01/10/2024	चंद्र	14/04/2042	मंगल	07/12/2056
शुक्र	02/05/2008	सूर्य	03/05/2018	चंद्र	02/05/2025	मंगल	03/05/2043	राहु	03/05/2059

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/05/2059		03/05/2078		03/05/2095		04/05/2102		04/05/2122	
03/05/2078		03/05/2095		04/05/2102		04/05/2122		00/00/0000	
शनि	06/05/2062	बुध	28/09/2080	केतु	29/09/2095	शुक्र	02/09/2105	सूर्य	21/08/2122
बुध	13/01/2065	केतु	25/09/2081	शुक्र	28/11/2096	सूर्य	02/09/2106	चंद्र	20/02/2123
केतु	22/02/2066	शुक्र	26/07/2084	सूर्य	05/04/2097	चंद्र	03/05/2108	मंगल	28/06/2123
शुक्र	23/04/2069	सूर्य	02/06/2085	चंद्र	04/11/2097	मंगल	03/07/2109	राहु	21/05/2124
सूर्य	05/04/2070	चंद्र	01/11/2086	मंगल	02/04/2098	राहु	03/07/2112	गुरु	01/08/2124
चंद्र	04/11/2071	मंगल	29/10/2087	राहु	21/04/2099	गुरु	04/03/2115		00/00/0000
मंगल	13/12/2072	राहु	18/05/2090	गुरु	28/03/2100	शनि	04/05/2118		00/00/0000
राहु	20/10/2075	गुरु	23/08/2092	शनि	06/05/2101	बुध	03/03/2121		00/00/0000
गुरु	03/05/2078	शनि	03/05/2095	बुध	04/05/2102	केतु	04/05/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 3 वर्ष 9 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।